



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 273]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 16, 1977 अथवा 25, 1899

No. 273]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 16, 1977/SRAVANA 25, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 16th August 1977

G.S.R. 575(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts regulators for electric fans, falling under Item No. 33 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and cleared for home consumption on or after the 1st day of April in any financial year by, or on behalf of, a manufacturer from one or more factories, from the whole of the duty of excise leviable thereon, if an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the sum total of the value of the capital investment made from time to time on plant and machinery installed in the industrial unit in which the goods, under clearance, are manufactured is not more than rupees ten lakhs.

Provided that the exemption contained in this notification shall apply only to the first clearances for home consumption by, or on behalf of, the manufacturer referred to in this notification, from one or more factories,—

- (i) upto an aggregate value not exceeding rupees two lakhs during a financial year subsequent to 1977-78; and

- (u) upto an aggregate value not exceeding rupees one lakh and twenty-five thousand during the period commencing on the 16th day of August, 1977 and ending on the 31st day of March, 1978

Explanation.—For the purposes of determining the value of any capital investment, only the face value of such investment at the time when such investment was made shall be taken into account.

[No 282/77]

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएं

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 1977

सा० का० नि० 575(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 33 के अन्तर्गत सम्मिलित बिजली के पंखे के रेगुलेटरों को, जिनकी निकासी देशी उपभोग के लिए किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से किसी वित्तीय वर्ष में 1 अप्रैल को या उसके पश्चात् एक या अधिक कारखानों में से की जाएगी, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है, यदि ऐसे अधिकारी का, जो रैंक में सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर से कम न हो, यह समाधान हो जाता है कि ऐसे औद्योगिक एकक में, जिसमें निकासीगत माल का विनिर्माण हुआ है, स्थापित संयंत्र और मशीन मात्र पर समय-समय पर किया गया पूंजी विनिधान दस लाख रुपये से अधिक नहीं है :

परन्तु इस अधिसूचना में दी गई छूट, इस अधिसूचना में निर्दिष्ट विनिर्माता द्वारा, या उसकी ओर से, एक या अधिक कारखानों से, देशी उपभोग के लिए,—

- (i) वित्तीय वर्ष 1977-78 के पश्चात्तवर्ती किसी वित्तीय वर्ष के दौरान दो लाख रुपये से अनधिक सकल मूल्य तक, और
- (ii) 16 अगस्त, 1977 को प्रारम्भ और 31 मार्च, 1978 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान एक लाख पच्चीस हजार रुपये से अनधिक सकल मूल्य तक, की केवल प्रथम निकासियों को लागू होगी ।

स्पष्टीकरण.—पूंजी विनिधान के मूल्य को अवधारित करने के प्रयोजनों के लिए, ऐसे विनिधान के उस समय के केवल अंकितमूल्य की गणना में लिया जाएगा जब ऐसा विनिधान किया गया था ।

[स० 282/77]

G.S.R. 576(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No 217/77-Central Excises, dated the 15th July, 1977, namely:—

In the second proviso to the said notification, for the words "only in respect of", the words "in respect of the output of not more than one soda fountain and in respect of" shall be substituted

[No. 283/77]

JOSEPH DOMINIC, Under Secy.

सा० का० नि० 576 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 217 77—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 15 जुलाई, 1977 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के द्वितीय परानुक में, “अधिक से अधिक दो भराई की मशीनों की बाबत दी जाएगी” शब्दों के स्थान पर, “अधिक से अधिक एक सोळा फाउन्टेन के उत्पादन की बाबत और अधिक से अधिक दो भराई की मशीनों की बाबत दी जाएगी” शब्द रखे जायेंगे।

[सं० 283/77]

जोसफ डोमिनिक, अव्वर सचिव।

